

रविवार 4 अगस्त, 2024

विषय — प्रेम

स्वर्ण पाठ: यूहन्ना 13: 15

"क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है, कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है, तुम भी वैसा ही किया करो।"— मसीह
ईसा

उत्तरदायी अध्ययन: यशायाह 61: 1-3

इफिसियों 3: 14, 15, 17-19

- ¹ प्रभु यहोवा का आत्मा मुझ पर है; क्योंकि यहोवा ने सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया और मुझे इसलिये भेजा है कि खेदित मन के लोगों को शान्ति दूं; कि बंधुओं के लिये स्वतंत्रता का और कैदियों के लिये छुटकारे का प्रचार करूं।
- ² ... कि सब विलाप करने वालों को शान्ति दूं।
- ³ ... विलाप करने वालों के सिर पर की राख दूर कर के सुन्दर पगड़ी बान्ध दूं, कि उनका विलाप दूर कर के हर्ष का तेल लगाऊं और उनकी उदासी हटाकर यश का ओढ़ना ओढ़ाऊं; जिस से वे धर्म के बांजवृक्ष और यहोवा के लगाए हुए कहलाएं और जिस से उसकी महिमा प्रगट हो।
- ¹⁴ मैं इसी कारण उस पिता के साम्हने घुटने टेकता हूं,
- ¹⁵ जिस से स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है।
- ¹⁷ और विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़ कर और नेव डाल कर।
- ¹⁸ सब पवित्र लोगों के साथ भली भांति समझने की शक्ति पाओ; कि उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी है।
- ¹⁹ और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है, कि तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यूहन्ना 1: 1-5, 12, 13

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्टरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 1 आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।
- 2 यही आदि में परमेश्वर के साथ था।
- 3 सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।
- 4 उस में जीवन था; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति थी।
- 5 और ज्योति अन्धकार में चमकती है; और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया।
- 12 परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।
- 13 वे न तो लोह से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।

2. 1 यूहन्ना 4: 7 (और हर), 8 (क्योंकि), 20, 21

- 7 ... और जो कोई प्रेम करता, वह भगवान से जन्मा है; और भगवान को पता है।
- 8 ... क्योंकि भगवान प्रेम है।
- 20 यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूँ; और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा है: क्योंकि जो अपने भाई से, जिस उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।
- 21 और उस से हमें यह आज्ञा मिली है, कि जो कोई अपने परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपने भाई से भी प्रेम रखे॥

3. लूका 6: 9 (सं यीशु), 32 (अगर), 37, 47, 48

- 9 यीशु ने उन से कहा...
- 32 ... यदि तुम अपने प्रेम रखने वालों के साथ प्रेम रखो, तो तुम्हारी क्या बड़ाई? क्योंकि पापी भी अपने प्रेम रखने वालों के साथ प्रेम रखते हैं।
- 37 दोष मत लगाओ; तो तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाएगा: दोषी न ठहराओ, तो तुम भी दोषी नहीं ठहराए जाओगे: क्षमा करो, तो तुम्हारी भी क्षमा की जाएगी।
- 47 जो कोई मेरे पास आता है, और मेरी बातें सुनकर उन्हें मानता है, मैं तुम्हें बताता हूँ कि वह किस के समान है
- 48 वह उस मनुष्य के समान है, जिस ने घर बनाते समय भूमि गहरी खोदकर चट्टान की नेव डाली, और जब बाढ़ आई तो धारा उस घर पर लगी, परन्तु उसे हिला न सकी; क्योंकि वह पक्का बना था।

4. लूका 7: 36-48

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्टरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 36 और किसी फरीसी ने उस से बिनती की, कि मेरे साथ भोजन कर; सो वह उस फरीसी के घर में जाकर भोजन करने बैठा।
- 37 और देखो, उस नगर की एक पापिनी स्त्री यह जानकर कि वह फरीसी के घर में भोजन करने बैठा है, संगमरमर के पात्र में इत्र लाई।
- 38 और उसके पांवों के पास, पीछे खड़ी होकर, रोती हुई, उसके पांवों को आंसुओं से भिगाने और अपने सिर के बालों से पोंछने लगी और उसके पांव बारबार चूमकर उन पर इत्र मला।
- 39 यह देखकर, वह फरीसी जिस ने उसे बुलाया था, अपने मन में सोचने लगा, यदि यह भविष्यद्वक्ता होता तो जान लेता, कि यह जो उसे छू रही है, वह कौन और कैसी स्त्री है? क्योंकि वह तो पापिनी है।
- 40 यह सुन यीशु ने उसके उत्तर में कहा; कि हे शमौन मुझे तुझ से कुछ कहना है वह बोला, हे गुरु कह।
- 41 किसी महाजन के दो देनदार थे, एक पांच सौ, और दूसरा पचास दीनार धारता था।
- 42 जब कि उन के पास पटाने को कुछ न रहा, तो उस ने दोनो को क्षमा कर दिया: सो उन में से कौन उस से अधिक प्रेम रखेगा।
- 43 शमौन ने उत्तर दिया, मेरी समझ में वह, जिस का उस ने अधिक छोड़ दिया: उस ने उस से कहा, तू ने ठीक विचार किया है।
- 44 और उस स्त्री की ओर फिरकर उस ने शमौन से कहा; क्या तू इस स्त्री को देखता है मैं तेरे घर में आया परन्तु तू ने मेरे पांव धाने के लिये पानी न दिया, पर इस ने मेरे पांव आंसुओं से भिगाए, और अपने बालों से पोंछा!
- 45 तू ने मुझे चूमा न दिया, पर जब से मैं आया हूं तब से इस ने मेरे पांवों का चूमना न छोड़ा।
- 46 तू ने मेरे सिर पर तेल नहीं मला; पर इस ने मेरे पांवों पर इत्र मला है।
- 47 इसलिये मैं तुझ से कहता हूं; कि इस के पाप जो बहुत थे, क्षमा हुए, क्योंकि इस ने बहुत प्रेम किया; पर जिस का थोड़ा क्षमा हुआ है, वह थोड़ा प्रेम करता है।
- 48 और उस ने स्त्री से कहा, तेरे पाप क्षमा हुए।

5. लूका 17: 1 (स 1st), 10 (जब) (स 2nd), 10 (हमने कर दिया)

- 1 फिर उस ने अपने चेलों से कहा॥
- 10 ... जब उन सब कामों को कर चुको जिस की आज्ञा तुम्हें दी गई थी, तो कहा, ... कि जो हमें करना चाहिए था वही किया है॥

6. मत्ती 5: 16, 20, 23, 24, 44 (मैं), 45 (सः)

- 16 तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के साम्हने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में हैं, बड़ाई करें॥

- 20 क्योंकि मैं तुम से कहता हूँ, कि यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों की धार्मिकता से बढ़कर न हो, तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश करने न पाओगे॥
- 23 इसलिये यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए, और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी के साम्हने छोड़ दे।
- 24 और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा।
- 44 ... मैं तुम से यह कहता हूँ, कि अपने बैरियों से प्रेम रखो और अपने सताने वालों के लिये प्रार्थना करो।
- 45 जिस से तुम अपने स्वर्गीय पिता की सन्तान ठहरोगे क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है, और धर्मियों और अधर्मियों दोनों पर मेंह बरसाता है।

7. इफिसियों 5: 2 (से 2nd), 8 (चलो)

- 2 और प्रेम में चलो; जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया।
- 8 ... ज्योति की सन्तान की नाई चलो।

8. कुलुस्सियों 3: 1, 12, 14

- 1 सोजब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है।
- 12 इसलिये परमेश्वर के चुने हुएों की नाई जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करूणा, और भलाई, और दीनता, और नम्रता, और सहनशीलता धारण करो।
- 14 और इन सब के ऊपर प्रेम को जो सिद्धता का कटिबन्ध है बान्ध लो।

9. 1 कुरिन्थियों 13: 4, 7, 8 (सेः)

- 4 प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं।
- 7 वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।
- 8 प्रेम कभी टलता नहीं।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 113: 5-6

ईसाई विज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा, हृदय और आत्मा, प्रेम है।

2. 35: 19 (हमारा चर्च)-25

हमारा चर्च ईश्वरीय सिद्धांत, प्रेम पर आधारित है। हम इस चर्च के साथ तभी एक हो सकते हैं जब हम आत्मा के नवजात शिशु हैं, जब हम उस जीवन तक पहुँचते हैं जो सत्य है और सत्य, जो प्रेम के फल पैदा करके, त्रुटि को दूर करके और बीमारों को चंगा करके जीवन है।

3. 496: 5-8, 9 (प्रश्न पूछो)-12

आप सीखेंगे कि क्रिश्चियन साइंस में पहला कर्तव्य ईश्वर का पालन करना, एक मन रखना और दूसरे को अपने जैसा प्यार करना है।

अपने आप से पूछें: क्या मैं उस जीवन को जी रहा हूँ जो सर्वोच्च भलाई के लिए है? क्या मैं सत्य और प्रेम की उपचार शक्ति का प्रदर्शन कर रहा हूँ?

4. 454: 17-22

ईश्वर और मनुष्य के लिए प्यार हीलिंग और शिक्षण दोनों में सच्चा प्रोत्साहन है। प्रेम प्रेरणा देता है, रोशनी करता है, नामित करता है और मार्ग प्रशस्त करता है। सही इरादों ने विचार, और ताकत और बोलने और कार्रवाई करने की स्वतंत्रता को चुटकी दी। सत्य की वेदी पर प्रेम पुरोहिती है।

5. 362: 1-7

यह लुका के सुसमाचार के सातवें अध्याय से संबंधित है कि यीशु एक बार एक फरीसी के सम्मानित अतिथि थे, जिसका नाम साइमन था, हालांकि वह साइमन शिष्य के बिल्कुल विपरीत था। जब वे भोजन पर थे, तो एक असामान्य घटना हुई, जैसे कि पूर्वी उत्सव का दृश्य बाधित होता है। एक "अनजान महिला" अंदर आई।

6. 364: 16-19, 22-31

यहाँ एक गंभीर प्रश्न का सुझाव दिया गया है, एक प्रश्न जो इस युग की आवश्यकताओं में से एक है। क्या क्रिश्चियन वैज्ञानिकों ने सत्य की तलाश की क्योंकि साइमन ने उद्धारकर्ता की मांग भौतिक रूढ़िवाद के माध्यम से और व्यक्तिगत श्रद्धांजलि के लिए की थी? ... यदि क्रिश्चियन वैज्ञानिक साइमन की तरह हैं, तो उनके बारे में यह भी कहा जाना चाहिए कि वे बहुत कम प्यार करते हैं।

दूसरी ओर, क्या वे सत्य, या क्राइस्ट के लिए अपना संबंध दिखाते हैं, उनके असली पश्चाताप से, उनके टूटे दिलों द्वारा, नम्रता और मानवीय स्नेह व्यक्त करके, जैसा कि इस महिला ने किया? यदि ऐसा है, तो यह उनके बारे में कहा जा सकता है, जैसा कि यीशु ने बिन बुलाए मेहमानों के बारे में कहा, कि वे वास्तव में बहुत प्यार करते हैं, क्योंकि बहुत कुछ उन्हें माफ कर दिया गया है।

7. 462: 1-8

कुछ व्यक्ति दूसरों की तुलना में सत्य को अधिक आसानी से आत्मसात कर लेते हैं, लेकिन कोई भी छात्र, जो क्रिश्चियन साइंस के दिव्य नियमों का पालन करता है और मसीह की आत्मा को आत्मसात करता है, क्रिश्चियन साइंस का प्रदर्शन कर सकता है, त्रुटि को दूर कर सकता है, बीमारों को ठीक कर सकता है, और आध्यात्मिक समझ, शक्ति, ज्ञान और सफलता के अपने भंडार में निरंतर वृद्धि कर सकता है।

8. 460: 18-23

यदि ईसाई चिकित्सा पद्धति का दुरुपयोग विज्ञान के मात्र ज्ञानी लोगों द्वारा किया जाता है, तो यह एक कष्टकारी उपद्रव बन जाता है। वैज्ञानिक रूप से इलाज करने के बजाय, यह हर अपंग और विकलांग व्यक्ति पर एक तुच्छ गोलीबारी शुरू कर देता है, और उन्हें सतही और ठंडे दावे के साथ पीटता है, "आपको कुछ भी तकलीफ नहीं है।"

9. 365: 31-2

गरीब पीड़ित हृदय को अपने सही पोषण की आवश्यकता होती है, जैसे कि शांति, क्लेश में धैर्य, और प्रिय पिता की प्रेम-कृपा का एक अनमोल भाव।

10. 366: 12-21, 30-9

जिस चिकित्सक को अपने साथी के प्रति सहानुभूति की कमी है, वह मानवीय स्नेह में कमी है, और हमारे पास पूछने के लिए एपोस्टोलिक वारंट है "जो अपने भाई से, जिस उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।" इस आध्यात्मिक स्नेह के न होने पर, चिकित्सक को दिव्य मन में विश्वास की कमी है और असीम प्रेम की मान्यता नहीं है जो अकेले ही चिकित्सा शक्ति प्रदान करता है। इस तरह के तथाकथित वैज्ञानिक मक्खियों को बाहर निकाल देंगे, जबकि वे बड़े पैमाने पर साहित्यिकता के ऊंटों को निगल लेंगे।

अगर हम बीमारों के लिए उनके जेल के दरवाजे खोलेंगे, तो हमें पहले टूटे-फूटे दिलों को बांधना सीखना होगा। यदि हम आत्मा द्वारा चंगा करना चाहते हैं, तो हमें आध्यात्मिक उपचार की प्रतिभा को उसके रूप के रुमाल के

नीचे नहीं छिपाना चाहिए, और न ही ईसाई विज्ञान के मनोबल को उसके पत्र के कब्र-कपड़ों में छिपाना चाहिए। निविदा शब्द और क्रिश्चियन को एक अवैध, दयनीय धैर्य के साथ अपने भय और उन्हें हटाने के लिए प्रोत्साहित करना, कुटिल सिद्धांतों की जद्दोजहद से बेहतर है, उधार दिए गए भाषणों, और तर्कों की डोलिंग, जो कि वैध क्रायश्चियन साइंस पर इतने सारे पैरोडी हैं दिव्य प्रेम के साथ।

11. 451: 2-7

ईसाई वैज्ञानिकों को भौतिक दुनिया से बाहर आने और अलग होने के लिए धर्मत्यागी आदेश के निरंतर दबाव में रहना चाहिए। उन्हें आक्रामकता, उत्पीड़न और शक्ति के अहंकार को त्यागना होगा। ईसाई धर्म, जिसके माथे पर प्रेम का मुकुट है, उनके जीवन की रानी होनी चाहिए।

12. 192: 30-31

जो कुछ भी मानव विचार को निःस्वार्थ प्रेम के अनुरूप रखता है, वह सीधे दैवीय शक्ति प्राप्त करता है।

13. 365: 15-24

यदि वैज्ञानिक दिव्य प्रेम के माध्यम से अपने रोगी तक पहुँचता है, चिकित्सा कार्य एक यात्रा में पूरा किया जाएगा, और रोग सुबह की धूप से पहले ओस की तरह अपनी मूल शून्यता में गायब हो जाएगा। यदि वैज्ञानिक को अपने स्वयं के क्षमा को जीतने के लिए पर्याप्त क्रिस्टली स्नेह है, और एक प्रशंसा है जैसा कि मैगडलीन ने यीशु से प्राप्त किया, तब वह वैज्ञानिक रूप से अभ्यास करने और अपने रोगियों के साथ दया से पेश आने के लिए ईसाई है; और परिणाम आध्यात्मिक इरादे के अनुसार होगा।

14. 572: 12-17

प्रेम क्रिश्चियन साइंस के कानून को पूरा करता है, और इस दिव्य सिद्धांत की कुछ भी कमी, समझा और प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है, कभी भी सर्वनाश की दृष्टि प्रस्तुत कर सकता है, सत्य के साथ त्रुटि के सात मुहरों को खोल सकता है, या पाप, बीमारी और मृत्यु के असंख्य भ्रमों को उजागर कर सकता है।

15. 6: 17-18

"भगवान प्यार है।" इससे अधिक हम पूछ नहीं सकते, उच्च हम नहीं देख सकते हैं, आगे हम नहीं जा सकते।

दैनिक कर्तव्यों

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6